Hindi Murli Quiz 14-07-2015

.

Q.1) **Match the following**

	Choice	Match
A	बाप कहते हैं तुम अपने को आत्मा समझो।	हम फर्स्टक्लास आत्मा हैं।
B	भल कहते भी हैं भृकुटी के बीच चमकता है अजब सितारा	परन्तु वह क्या है, कैसे उसमें पार्ट भरा हुआ है, वह कुछ भी नहीं जानते।
C	भारत ही ऊंच खण्ड है, जो भी मनुष्य मात्र हैं	उनका यह तीर्थ है, सर्व की सद्गति करने बाप यहाँ आते हैं।
D	रावण की कोई सोने की लंका होती नहीं है।	रावण राज्य में तो भारत का यह हाल हो जाता है।
E	100 परसेन्ट इरिलीजस, अनराइटियस, इनसालवेन्ट, पतित विशश है पुरानी दुनिया	नई दुनिया को कहा जाता है वाइसलेस।
F	मनुष्य बिल्कुल ही घोर अन्धियारे में कुम्भकरण की नींद में सोये पड़े हैं क्योंकि	कहते हैं शास्त्रों में लिखा है-कलियुग तो अभी बच्चा है, 40 हज़ार वर्ष पड़े हैं।

Q.2) **____और____ दोनों का बैलेन्स ही डबल लॉक है।**

A. प्रेम,सद्भावना
B. याद,सेवा
C. पढाई,सेवा
D. योग,धारणा

Q.3) **Match the following**

	Choice	Match
A	संगमयुग पर सदा स्व में स्थित रहने से	तन का कर्मभोग सूली से कांटा हो जाता है
B	तन का रोग योग में परिवर्तन कर देते हो	इसलिए सदा स्वस्थ हो।
C	मनमनाभव होने के कारण	खुशियों की खान से सदा सम्पन्न हो
D	इसलिए मन की खुशी भी प्राप्त है	और ज्ञान धन सब धनों से श्रेष्ठ है।
E	ज्ञान धन वालों की प्रकृति स्वत: दासी बन जाती है	और सर्व संबंध भी एक के साथ हैं
F	सम्पर्क भी होलीहंसों से है...	इसलिए श्रेष्ठ भाग्यवान का वरदान स्वत: प्राप्त है।

Q.4) **Match the following**

	Choice	Match
A	एक बाप की ____पर चलकर मनुष्य से देवता बनना है।	सुमत
B	इस _____संगमयुग पर स्वयं को पुरूषोत्तम पारसबुद्धि बनाना है।	सुहावने
C	7 रोज़ की ____ में बैठ पतित बुद्धि को पावन बुद्धि बनाना है।	भट्ठी
D	____ से सत्य नारायण की सच्ची कथा सुन नर से नारायण बनना है।	सत्य बाप
E	ज्ञान सिर्फ एक बाप के पास है, जिसको _____ कहा जाता है।	ज्ञान का सागर
F	सूर्यवंशी सो चन्द्रवंशी सो वैश्य वंशी....., मनुष्य _____ का अर्थ भी समझते नहीं।	हम सो

Q.5) **इनमें से सही वाक्यों का चयन करें -**

A. ☑ ईश्वर को देह है नहीं। वह सदैव आत्म-अभिमानी है।
B. ☑ बाप को जिसने नहीं जाना उसने कुछ नहीं जाना। प्राचीन ऋषि-मुनि भी कहते थे-हम रचता और रचना को नहीं जानते हैं।
C. ☑ आज के देह-अभिमानी मनुष्यों को थोड़ा पैसा मिला तो समझते हैं हम तो स्वर्ग में बैठे हैं।
D. ☑ यह भी विचार करने की बात है कि अगर कल्प की आयु लाखों वर्ष दें फिर तो संख्या बहुत होनी चाहिए। जबकि क्रिश्चियन की संख्या 2 हज़ार वर्ष में इतनी हुई है।
E. ☑ 84 लाख योनियाँ समझने के कारण कल्प की आयु भी लम्बी-चौड़ी कर दी है।